

सुरवाड़ी स्त्री. (तद्.) सूअरों के रहने का स्थान, सूअरबाड़ा।

सुरवाणी स्त्री. (तत्.) देवताओं की वाणी, संस्कृत।

सुरवास पुं. (तत्.) देवस्थान, स्वर्ग।

सुरवाहिनी स्त्री. (तत्.) गंगा।

सुरविटप पुं. (तत्.) कल्पवृक्ष।

सुरवीथी स्त्री. (तत्.) देवताओं का मार्ग, नक्षत्रों का मार्ग, आकाश।

सुरवीर पुं. (तत्.) इंद्र।

सुरवृक्ष पुं. (तत्.) कल्पतरु।

सुरवृच्छ पुं. (तद्.) सुरवृक्ष, कल्पतरु।

सुरवैरी/सुरशत्रु पुं. (तद्.) 1. देवों का शत्रु, राक्षस 2. राहु।

सुरशत्रुहन् पुं. (तत्.) देवताओं के शत्रुओं का नाश करने वाला शिव।

सुरशयनी स्त्री. (तत्.) आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की एकादशी, विष्णुशयनी एकादशी, देवशयनी एकादशी।

सुरशाखी पुं. (तत्.) कल्पवृक्ष।

सुरशिल्पी पुं. (तत्.) विश्वकर्मा।

सुरश्रेष्ठ पुं. (तत्.) 1. वह जो देवों में श्रेष्ठ हो 2. विष्णु 3. शिव 4. गणेश 5. इंद्र 6. धर्म।

सुरश्रेष्ठा स्त्री. (तत्.) बाह्मी।

सुरस वि. (तत्.) 1. सुंदर रसवाला 2. सरस, रसीला 3. मधुर 4. स्वादिष्ट, रसयुक्त उदा. खाहु सुरस सुंदर फल नाना-तुलसी पुं. 1. दालचीनी 2. तुलसी 3. रूसा घास 4. पीतशाल 5. तेज पत्ता 6. बोल नामक गंधद्रव्य।

सुरसख पुं. (तत्.) देवताओं का सखा, इंद्र।

सुरसत/सुरसती स्त्री. (तद्.) 1. सरस्वती 2. एक प्रकार की नाव।

सुरसत जनक पुं. (तद्.) ब्रह्मा।

सुरसत्तम पुं. (तद्.) सुरश्रेष्ठ।

सुरसदन पुं. (तत्.) देवताओं के रहने का स्थान, स्वर्ग।

सुरसदम पुं. (तत्.) स्वर्ग।

सुरसर पुं. (तत्.) मानसरोवर।

सुरसरसुता स्त्री. (तत्.) सरयू नदी।

सुरसरि स्त्री. (तत्.) 1. गंगा 2. गोदावरी 3. कावेरी।

सुरसर्षक पुं. (तत्.) देव-सर्षप।

सुरसा स्त्री. (तत्.) 1. पुराणानुसार एक राक्षसी जो नागों या सर्पों की माता कही गई है और जिसने हनुमान को लंका जाते समय समुद्र पार करने से रोकना चाहा था 2. एक प्रकार का छंद 3. संगीत में एक प्रकार की रागिनी 4. दुर्गा का एक नाम 5. एक पौराणिक नदी 5. तुलसी 6. ब्राह्मी पौधा 7. सौंफ 8. बड़ी शतावर 9. जूही 10. सफेद निसोथ।

सुरसाई पुं. (तत्.) 1. इंद्र 2. शिव 3. विष्णु।

सुरसागर पुं. (तद्+तत्.) एक तरह का बाजा जिसमें बजाने के लिए तार लगे होते हैं।

सुरसाग्रज पुं. (तत्.) सफेद तुलसी।

सुरसाग्रणी स्त्री. (तत्.) सुरसाग्रज, सफेद तुलसी।

सुरसालु पुं. (तद्.) देवताओं को सताने वाला, असुर या राक्षस।

सुरसाष्ट पुं. (तत्.) संभालू, तुलसी, ब्राह्मी, बनभंटा, कंटकारी और पुनर्नवा-इन सबका वर्ग या समूह।

सुरसाहब पुं. (तत्.+फा.) देवताओं के स्वामी, इंद्र।

सुरसिंधु पुं. (तत्.) 1. गंगा 2. संगीत में कर्नाटकी पद्धति का एक राग।

सुरसील वि. (तत्.) अति रसीला उदा. मुरली के ये सुरसील इसके हैं छिद्र सुरीले -पंत।

सुरसुंदरी स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा 2. देवकन्या 3. एक योगिनी का नाम 4. अप्सरा।

सुरसुत पुं. (तत्.) देवपुत्र।